उपसभापति : नहीं, यह स्पेसिफिक क्वश्चन है । मुझे नहीं लगता कि यह उससे संबंधित है ।

श्री मूलचंद मीणा : सवाई माधोपुर में इन्दिरा लिफ्ट योजना है और राजस्थान के अन्दर ऐसी खनिज संपदा है, जो वन विभाग के एरिया के अंदर आती है, जिससे अरबों रुपये का राजस्व सरकार को मिल सकता है । . . . (**व्यवधान**)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let me hear him. Then I can decide.

श्री मूलचंद मीणा : लेकिन उसके अंदर एक भी पेड़ या झाड़ियां नहीं है । परन्तु राजस्थान सरकार और जिलाधीशों ने यह प्रस्ताव बना कर भेजे हैं कि इस जमीन को फारेस्ट लैंड के एरिया में जोड़ दिया जाए और दूसरी जमीन हम इसके लिए उपलब्ध करा सकते हैं ।

मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि आप ऐसी परियोजनाओं के लिए जो राजस्थान सरकार और जिलाधीशों से प्रस्ताव आया है, उनके संबंध में एक क्रमबद्ध योजना बनाकर, क्या आप ऐसी परियोजना बनाकर, क्लीयरेंस देंगे, और यदि देंगे, तो कब तक देंगे ?

THE DEPUTY CHAIRMAN. He has already answered that they have a policy under which, if it comes, he will see.

SHRI KAMAL NATH: It belongs to Dholpur in Rajasthan. It has nothing to do with the districts in Maharashtra.

Construction of bridge over Brahamputra

*403. SHRI MATANG SING: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) what is the latest position of the Lakhimpur-Dibrugarh bridge being constructed over Brahamputra river;

(b) by when it is likely to be completed; and

(c) what are the reasons for delay, if any, in its completion?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) No bridge over river Brahmaputra connecting North Lakhimpur to Dibrugarh in Assam is under construction at present.

(b) and (c) Do not arise.

श्री मतंग सिंह : उपसभापति महोदया, मेरा पहला सप्लीमेंटी है—क्या मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि असम सरकार ने इस पुल को बनाने के लिए भारत सरकार से कोई अनुरोध किया था ? यदि हां, तो क्या कारण है कि इस पुल को बनाने के लिए भारत सरकार ने अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया है ?

श्री जगदीश टाइटलर : ऐसी बात नहीं है । इस पुल के बारे में यह बताना चाहूंगा कि 29 मई को कैबिनेट कमेटी आन पोलिटिकल अफेयर्स ने इस प्राजेक्ट को समझा और डिस्कस करा और यह सोचा कि यह बहुत महंगा पड़ेगा । इसलिए ओवर आल नेशनल परस्पेक्टिव में सोचा कि इस ब्रिज को बनाना चाहिए । . . . (व्यवधान) . . .

श्री मतंग सिंह : बनाना चाहिए कि नहीं बनाना चाहिए ।

श्री जगदीश टाईटलर : बनाना चाहिये । 23 सितम्बर 1991 को कमेटी आफ सेक्रेट्रीज ने इस बात को सोचा और उन्होंने कहा कि जब जोगी पाड़ा ब्रिज बन रहा है, जब वह कम्पलीट हो जाएगा, उसके बाद इसके बारे में सोचा जायेगा ।

22 अक्तूबर, को प्रधान मंत्री ने एक मीटिंग ली, जिसमें यह बताया गया कि असम डेलिगेशन उनसे मिला था कि जो न्यू रेलवे-कम-रोड़ ब्रिज बन रहा है भोगीविल में—यह सोचा जा सकता है जब जोगीपाड़ा का पुल कंम्पलीट होगा ।

मगर मैं बताना चाहता हूं कि 5 फरवरी, 1992 को कैबिनेट कमेटी ग्रान पोलिटिकल एफेयर्ज में इस बात पर फिर सोचा गया और उसमें प्रधान मंत्री के इशारे पर यह बात कही गई कि इसको एक्जामिन किया जाए कि इस पर कितना पैसा लगेगा।

इसके बाद हमने बाकी मिनिस्ट्रीज कमीशन और गवनमेंट आफ असम को उनके व्यूज लेने के लिए नोट भेजा हुआ है।

श्री मतंग सिंह : उपसभापति महोदया, मेरा दूसरा सप्लीमेंटरी है, क्या यह सच नहीं है कि इस पुल के निर्माण यहां की जनता काफी समय से भारत सरकार . . (**व्यवधान**) मांग करती आ रही है। . . (**व्यवधान**)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Order, please, in the House.

श्री मतंग सिंह : क्या यह पुल के बारे मेंयोजना विभाग ने कोई स्वीकृति दी है ?

श्री जगदीश टाइटलर : यह तो पूरे डिटेल में आपको अभी बताया है कि हम इस पूरे पुल को बनाने लिए हैं मगर हमने पूरे ओपिनियन मांगे हैं। असम गवर्नमेंट से मांगे हैं, प्लानिंग कमीशन से मांगे हैं, फाईनांस मिनिस्ट्री से मांगे हैं, होम मिनिस्ट्री से मांगे हैं।

श्री मतंग सिंह : क्या प्लानिंग कमीशन ने आपको कोई एप्रूवल दी है या नहीं ?

श्री जगदीश टाइटलर : मैं आपको बता रहा हूं कि प्रधान मंत्री ने इस पर इन्टरेस्ट लिया है और प्रधान मंत्री के इन्टरेस्ट के ऊपर ही यह सब ओपीनियन देने के बाद आपका पुल बनेगा। . . (**व्यवधान**)

श्री अजीत जोगी : इस पर सहानुभूति-पूर्वक विचार होना चाहिए।

SHRI NYODEK YONGGAM: The question raised by the hon. Member is related to the construction of tre railway-cum-road bridge at Bogivil with the Dhemaji District on the one side and the Dibrugarh District on the other side. If this proposed bridge is constructed, it will link about six North-Eastern States. May I know from the hon. Minister whetrer the Central Government paid Rs. 4 lakhs sometime in the year 1986 for the survey work? For the last six long years the work has not started. What are the reasons? May I know these from the hon Minister?

SHRI JAGDISH TYTLER: Sir, I would like to inform the hon. Member that in the Sixth Five-year Plan a detailed survey for construction of a bridge across the river Brahmaputra, from Bogivil to Dibrugarh. was undertaken by the RITES as consultants in 1982 for preparing a techno-economic feasibility report. As I said, on the basis of that on 29th May, 1990 the Cabinet Committee on Political Affairs considered it, which I have already repeated. It was only on the basis of the report prepared in the Sixth Plan by the RITES. As I said mentioned before, I can repeat it, but I would like to say today that the bridge is going to be constructed but after the bridge at Jogipada is completed. We have asked for the opinion of the Assam Government, the Home Ministry, the Planning Commission and other agencies. Once we get that, I think, as a national project we will be able to take this up.

Conversion of Manmad-Aurangabad Adilabad metre gauge rail link

*404. SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE:†
SHRIMATI VEENA VERMA:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether the project for conversion of the Manmad-Aurangabad-Adilabad metre gauge rail link has been pending for long, if so, since when and what is its estimated cost; and

---

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Murlidhar Chandrakant Bhandare.